IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों के समायोजन सम्बन्धी क्षमताओं का अध्ययन

*डॉ0 सन्तोश जगवानी **मनीश कुमार

* भाोध निर्देि"ाका, श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मेडिकल साइंस

** भाोथार्धी, श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मेडिकल साइंस

Abstract : बाल अपराध एक गम्भीर समस्या के रूप में हमारे समाज में विद्यमान है। भाोधकर्ता द्वारा बाल अपराधियों के अपराध के स्वरूप एवं समायोजन क्षमता पर अध्ययन किया गया। समायोजन क्षमता का प्रयोग किया गया, अध्ययन के निश्कर्श में बाल अपराधियों को हत्या, डकैती, बलात्कार आदि अपराधों में लिप्त पाया गया तथा इनके समायोजन क्षमता के तीन स्तर निम्न, औसत एवं उच्च स्तर पाये गये।

Key Words: बाल सुधार गृह, बाल अपराध, समायोजन

प्रस्तावना : प्राचीन काल से मानव ने संघर्श करके अपने जीवन को सरल एवं सुखद बनाने के लिये प्रयासरत है। अपनी संज्ञानात्मक योग्यताओं का प्रयोग कर आज अंतरिक्ष पर जा पहुंचा है। विकास की इस यात्रा में अनक कीर्तिमान मानव ने स्थापित किये ह, लेकिन जहां विकास का दायरा बढ़ा है वहीं प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास हुआ और इसी प्रतिस्पर्धा ने नैतिकता का त्याग कर अपराध की भावना को विकसित किया जिससे समाज का हर वर्ग अपराध से प्रभावित हुआ। बालक भी इस अपराध की अवधारणा को धारण करने लगे, आज समस्त वि"व बाल अपराध की समस्या से ग्रस्त है।

अध्ययन की आव"यकता : बालक जब जन्म लेता है तो वह सहज योग्यताओं को लकर आता है ये सहज योग्यताएं चूसना, देखना, पकड़ना आदि होती हैं इन्हीं योग्यताओं के सहारे वह अपना जीवन व्यापार भाुरू करता है। मां, परिवार के सदस्यों के साथ वह संस्कृति एवं मूल्यों

को सीखता है। पास–पड़ोस से वह समाजीकरण की प्रक्रिया को सीखता है। यहीं प्रक्रियायें उसके व्यक्तित्व का निर्धारण करती हैं, अगर परिवार का वातावरण प्रेम एवं सौहार्द्र से परिपूर्ण नहीं है तो उसका व्यक्तित्व असंगठित एवं कुसमायोजित होता है। एवं उसमें अपराध की प्रवत्ति बढ़ने लगती है। जिससे वह असामाजिक क्रियाओं को करने लगता है। प्रस्तुत भाोध में बाल अपराधियों की समायोजन क्षमता जानने की महती आव"यकता की ओर इंगित करती है।

समस्या कथन : बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों के समायोजन सम्बन्धी क्षमताओं का अध्ययन

तकनीकी भाब्दों का परिभाशीकरण :

बाल सुधार गृह– बाल अपराधियों को प्रौढ़ व्यक्ति के साथ बन्दीगृह में रखना मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दोनों दृश्टि से अनुचित है अतः अपराधी बालकों के सुधार के लिये बाल सुधार गृह की व्यवस्था की जाती है। इन सुधार गृहों में अपराधी बालक का सुधार करके उसे भौक्षिक ओर व्यावसायिक निर्दे"ान दिया जाता है।

निरूद्ध– निरूद्ध भाब्द का प्रयोग बन्द भाब्द के पर्यायवाची भाब्द के रूप में किया जाता है। प्रस्तुत भाोध कार्य में निरूद्ध भाब्द से आ"ाय जेल में बन्द बाल अपराधियों के लिये किया गया है।

बाल अपराध– हीली महोदय के अनुसार, बालक के ऐसे व्यवहार जिसे समाज द्वारा उन्हें अपराध माना जाता है, जब बालक ऐसे कार्य करता है तो उसे बाल अपराधी कहा जाता है।

समायोजन : गेट्स– "समायोजित व्यक्ति वह है जिसकी आव"यकतायें एवं तृप्ति सामाजिक दृश्टिकोण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की स्वीकृति के साथ संगठित हो।"

उद्दे"य :

1. बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों के अपराध के स्वरूप का अध्ययन करना।
2. बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों के अपराध के समायोजन क्षमता अध्ययन करना।

परिकल्पना :

1. बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों के अपराध के स्वरूप में कोई अन्तर नहीं पाया जायेगा।

2. बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों की समायोजन क्षमता सामान्य होती है।

सीमांकन : प्रस्तुत भाोध बुन्देलखण्ड राज्य में स्थित चित्रकूट धाम कर्वी जिले के बाल अपराधियों पर किया जायेगा।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण :

थामस एम (1970) ने केरला के बाल अपराधियों का वि"लेशणात्मक अध्ययन पर भाोधकार्य किया उन्होंने उपकरण के रूप में आइजैन्क परीक्षण का प्रयोग किया निश्कर्श में पाया गया कि सामान्य बालक एवं अपराधी बालकों में अन्तर पाया गया, बाल अपराधियों में मनःस्ताप व मनोविक्षिप्तता अधिक पायी गयी।

बर्ट (1925) ने अपने भाोध में बाल अपराधियों पर अध्ययन किया जो विभिन्न सुधार संस्थाओं एवं विद्यालयों से 197 बालकों को न्याद"र्ा में सम्मिलित किया अध्ययन के निश्कर्श रूप में उन्होने पाया कि 10.6 प्रति"ात बाल अपराधी ऐसे पाये गये जिनका परिवार के सदस्य अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त थे 56 प्रति"ात बाल अपराधियों की परिवारिक आर्थिक स्थिति बहुत ही निम्न स्तर की पायी गयी 17.1 प्रति"ात बालक एवं 4 प्रति"ात बालिकाएं भगोडेपन का ि"ाकार थी तथा 35 प्रति"ात बाल अपराधियों की मानसिक रूप से स्थिति कमजोर पायी गयी।

भाोधविधि : प्रस्तुत भाोध में सर्वेक्षण भाोध विधि का प्रयोग किया।

जनसंख्या–प्रस्तुत भाोध में बुन्देलखण्ड क्षेत्र के चित्रकूटधाम कर्वी जनपद को सम्मिलित किया गया।

न्याद"र्ा– प्रस्तुत भाोध में चित्रकूटधाम कर्वी जनपद के बाल सुधार गृह के 30 बाल अपराधियों को उद्दे"यपूर्ण प्रतिद"र्ान विधि के आधार पर चयन किया गया।

उपकरण– प्रस्तुत भाोध में बाल अपराधियों की समायोजन क्षमता का मापन करने के लिये डॉ0 आर0के0 ओझा द्वारा निर्मित Bill's Adjustment inventory का प्रयोग किया गया।

परिणाम एवं वि"लेशण : प्रस्तुत भाोध के उद्दे"यों के अन्तर्गत निम्न निश्कर्श प्राप्त हुये बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों के अपराध के स्वरूप निम्न प्रकार के पाये गये बाल अपराधियों के अपराध के स्वरूप को सारणी 1.0 में प्रद"र्ित किया जा रहा है।

सारणी क्रमांक–1.0

बाल अपराधियों के अपराध के स्वरूप का विवरण

क्रम संख्या	बाल अपराधियों की संख्या	स्वरूप
1	16	यौन हिंसा
2	06	हत्या
3	05	लूटमार
4	03	अवैध कार्य

सारणी क्रमांक 1.0 के अनुसार 16 बाल अपराधी यौन हिंसा, 06 बाल अपराधी हत्या, 05 बाल अपराधी लूटमार, 03 बाल अपराधी अवैध कार्य में सम्मिलित पाये गये परिणाम प्रदर्”ित करते हैं कि बाल अपराधियों के अपराध के स्वरूप में अन्तर पाया गया अतः भाोध की परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। प्रस्तुत आँकड़ों को पाई चार्ट में प्रदर्”ित किया जा रहा है।

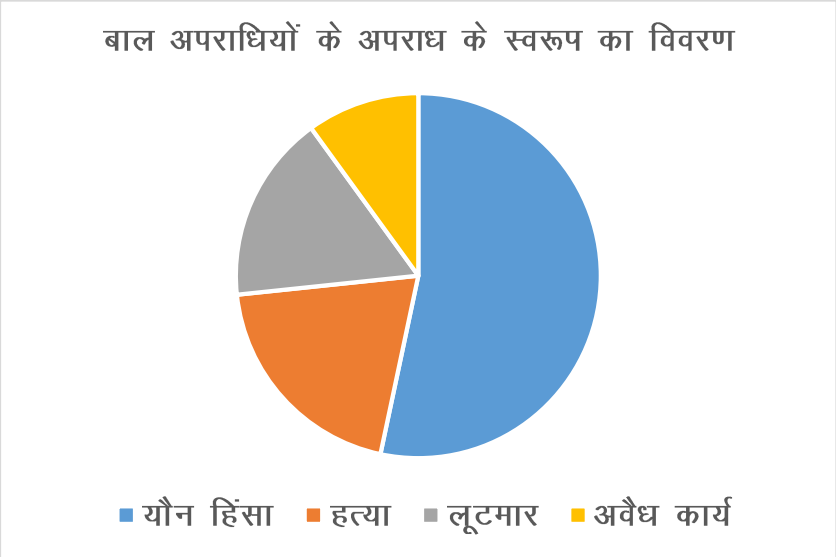

प्रस्तुत भाोध के द्वितीय उद्दे”य बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों सकी समायोजन क्षमता का अध्ययन करना के अन्तर्गत परीक्षण से प्राप्त निश्कर्श के आधार पर तीन प्रकार के समायोजन क्षमता स्तर पाये गये जिनका विवरण सारणी क्रमांक 2.0 में प्रस्तुत किया जा रहा है।

सारणी क्रमांक 2.0

बाल अपराधियों के समायोजन क्षमता के स्तर

क्रम संख्या	बाल अपराधियों की संख्या	समायोजन क्षमता के स्तर
1	04	उच्च समायोजन
2	08	औसत समायोजन
3	18	निम्न

सारणी क्रमांक 2.0 के अनुसार 04 बाल अपराधियों में उच्च समायोजन क्षमता, 08 बाल अपराधियों में औसत समायोजन क्षमता, 18 बाल अपराधियों में निम्न समायोजन क्षमता पायी गयी परिणाम प्रदर्शित करते हैं कि बाल अपराधियों में समयोजन क्षमता के तीन स्तर पाये गये अतः भाोध की द्वितीय परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। प्रस्तुत आँकड़ों का दण्ड आकृति में प्रस्तुत किया जा रहा है।

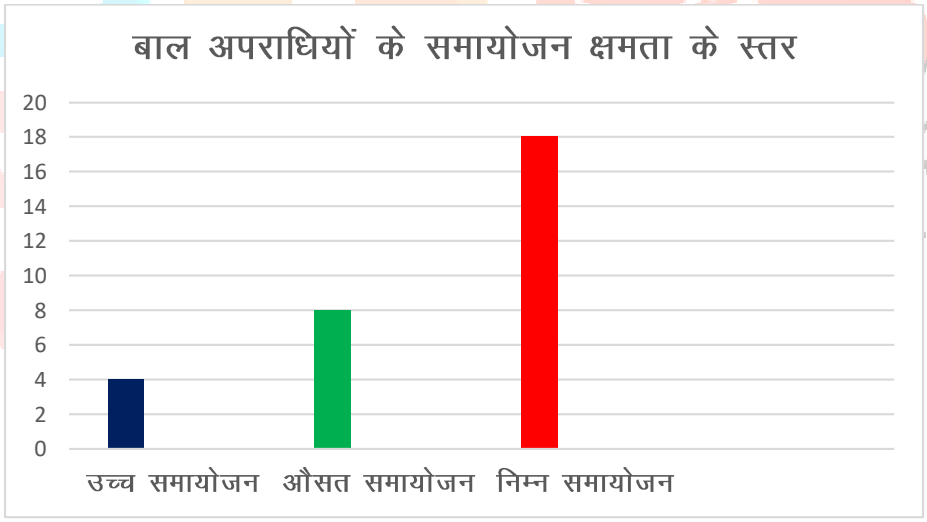

निश्कर्श :

1. बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों के अपराध के स्वरूप में अन्तर पाया गया।
2. बाल सुधार गृहों में निरूद्ध बाल अपराधियों की समायोजन क्षमता के तीन स्तर निम्न, औसत, एवं उच्च स्तर पाये गये।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. रावत हरीकृश्ण (2017)–उच्चतर समाज"ाास्त्र वि"वकोश, रावत पब्लिके"ान्स, नाइस प्रिन्टिग प्रेस, नई दिल्ली, ISBN-978-81-7033-963-2
2. जो"ाी एवं लाल (2009–10)–"ौक्षिक मापन मूल्यांकन एवं सांख्यिकी, रस्तोगी पब्लिके"ान्स, ि"ावाजी रोड़, मेरठ, 250002
3. मंगल एस.के.(2010)– ि"ाक्षा मनोविज्ञान, रस्तोगी पब्लिके"ान मेरठ